



दूरसंचार कंपनियों पर पूंजी कराधान

प्रलिस के लिये:

पूंजीगत व्यय और राजस्व व्यय, [दूरसंचार वभाग](#), दूरसंचार लाइसेंस शुल्क, परशोधन

मेन्स के लिये:

पूंजी और राजस्व व्यय के बीच अंतर, संसाधनों का संग्रहण

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [सर्वोच्च न्यायालय \(SC\)](#) ने माना है कि टेलीकॉम कंपनियों द्वारा प्रवेश शुल्क के साथ-साथ परिवर्तनीय वार्षिक लाइसेंस शुल्क के भुगतान को [राजस्व व्यय](#) न मानकर [पूंजीगत व्यय](#) माना जाएगा और इस पर तदनुसार कर लगाया जाएगा।

सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से टेलीकॉम लाइसेंस शुल्क पर प्रभाव:

■ नरिणय:

- [सर्वोच्च न्यायालय](#) के फैसले में कहा गया है कि (नई दूरसंचार) नीति 1999 के तहत प्रवेश शुल्क और वार्षिक लाइसेंस शुल्क के रूप में दूरसंचार कंपनियों द्वारा [दूरसंचार वभाग](#) को किये गए भुगतान को अब पूंजीगत व्यय के रूप में वर्गीकृत किया गया है तथा इसे [आयकर अधिनियम](#) की धारा 35ABB के अनुसार परशोधन किया जा सकता है।
 - इसका तात्पर्य यह है कि पूरे खर्च में एक साथ कटौती करने के बजाय कंपनी को कर उद्देश्यों के लिये प्रत्येक वर्ष कुल शुल्क के एक हिस्से में कटौती करने की आवश्यकता होगी।

■ प्रभाव:

- [लेखांकन व्यवहार में परिवर्तन](#): दूरसंचार कंपनियों ने परंपरागत रूप से लाइसेंस शुल्क को खर्च के रूप में माना है, जिससे उन्हें कर (Tax) गणना के लिये वर्ष-दर-वर्ष आधार पर कटौती का दावा करने की अनुमति मिलती है।
 - हालाँकि यह नरिणय लेखांकन व्यवहार में बदलाव को अनिवार्य करता है, जिसके लिये लाइसेंस शुल्क को पूंजीगत व्यय के रूप में माना जाना आवश्यक है।
 - इन खर्चों का परशोधन लाइसेंस की धारण अवधि के दौरान किया जाना चाहिये।
- [नकदी प्रवाह पर प्रारंभिक प्रभाव](#): लेखांकन व्यवहार में बदलाव के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में दूरसंचार कंपनियों को नकदी प्रवाह में अस्थायी कमी का अनुभव हो सकता है।
 - उच्च EBITDA (ब्याज, कर, मूल्यह्रास व परशोधन से पहले की आमदनी) और PBT (कर से पहले लाभ) इस बदलाव के परिणामस्वरूप हो सकते हैं, लेकिन लाइसेंस की अवधि के दौरान इसकी भरपाई होने की संभावना है।
- [वित्तीय तनाव \(Financial Strain\)](#): इस फैसले से उन कंपनियों पर प्रभाव पड़ने का अनुमान है जिन्होंने दूरसंचार लाइसेंस प्राप्त करने के लिये पर्याप्त खर्च व्यय किया है, खासकर वे कंपनियों जो पहले से ही वित्तीय घाटे का सामना कर रही हैं।
- [पूर्वव्यापी अनुप्रयोग के बारे में अनिश्चितता](#): सर्वोच्च न्यायालय के आदेश में यह स्पष्ट नहीं किया गया था कि नई लेखांकन संरचना को पूर्वव्यापी रूप से लागू किया जाना चाहिये अथवा नहीं।
 - इससे दूरसंचार उद्योग में चिंताएँ बढ़ गई हैं, साथ ही पछिली अवधि की कर देनदारियों को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

परशोधन:

- यह [लेखांकन की एक वधि](#) है जिसका उपयोग परसिंपत्तकी उपयोग अवधि के दौरान पूंजीगत व्यय या अमूर्त संपत्तकी लागत को बढ़ाने के लिये किया जाता है।
 - व्यय का यह क्रमिक आवंटन परसिंपत्तकी प्रारंभिक व्यय को समय के साथ उत्पन्न होने वाले राजस्व के साथ संतुलित करने में सहायता

करता है।

- सरल शब्दों में इसका अर्थ है एक व्यय को छोटे भागों में वभिजति करना और उन भागों को एक वशिष्ट अवधि में वत्तीय वविरणों पर व्यय के रूप में पहचानना।
 - यह अभ्यास समय के साथ कंपनी के वत्तीय वविरणों और कर देनदारी पर परसिंपत्तके प्रभाव का अधिक सटीक प्रतनिधित्व सुनश्चित करता है।

पूंजीगत और राजस्व व्यय के बीच अंतर:

पहलू	पूंजीगत व्यय	राजस्व व्यय
व्यय की प्रकृति	दीर्घकालिक परसिंपत्तियों या नविशों को प्राप्त करने, सुधारने या वसितारति करने से संबंधित व्यय, जनिसे एक वत्तीय वर्ष से अधिक के लिये लाभ मलिने की उम्मीद है।	मौजूदा परसिंपत्तियों या सेवाओं के रखरखाव और समर्थन के लिये किये गए दैनिक परचालन व्यय।
लेखांकन व्यवहार	बैलेंस शीट पर पूंजीकृत करने के उपरांत समय से परशिोधन या मूल्यहरास के माध्यम से मान्यता प्राप्त है।	आय वविरण पर वर्ष में किये गए व्यय के रूप में पूरी तरह से मान्यता प्राप्त है।
कर व्यवहार	मूल्यहरास या परशिोधन के अधीन, जसिसे कर प्रभाव में देरी होती है और प्रायः खरीद के वर्ष में कर योग्य आय कम हो जाती है।	कर योग्य आय से तुरंत कटौती योग्य, कर दायित्व में तत्काल कमी प्रदान करता है।
लाभप्रदता पर प्रभाव	आम तौर पर अल्पकालिक लाभप्रदता पर बड़ा प्रभाव नहीं पड़ता क्योंकि लागत कई वर्षों के लिये होती है।	इसका लाभप्रदता पर तत्काल प्रभाव पड़ता है, क्योंकि व्यय का आकलन नरिदष्ट वर्ष में व्यय के आधार पर की जाती है।
उदाहरण	एक नई वनिर्माण सुवधा प्राप्त करना, एक नए उत्पाद, दीर्घकालिक लाइसेंस या फ्रेंचाइज़ी के लिये अनुसंधान और वकिस।	नयिमति मशीनरी रखरखाव, कर्मचारी वेतन, वजिजापन लागत, उपयोगिता बलि।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. नमिनलखिति में से कसिको/कनिको भारत सरकार के पूंजी बजट में शामिल कयिा जाता है?(2016)

1. सड़कों, इमारतों, मशीनरी आदि जैसी परसिंपत्तियों के अधगिरहण पर व्यय।
2. वदिशी सरकारों से प्राप्त ऋण
3. राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को अनुदत्त ऋण और अग्रमि

नीचे दयिे गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनयिे:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

?????????:

प्रश्न. पूंजी बजट तथा राजस्व बजट के मध्य अंतर स्पष्ट कीजयिे। इन दोनों बजटों के संघटकों को समझाइये। (2021)

